

पारम्बा- पार लगा दो नैया मेरी जगदम्बा-
पार लगा दो नैया मेरी जगदम्बा - ॥२॥

बन के महाकाली मम्बा- दौड़ी थीं रन में
दानव को तुमने मारा- माता दिन में
खड़ग- खप्र अति सोहे- हाथों में अम्बा

पारम्बा-----

हैं अबोध पर बालक- तेरे हैं माता
भर अँखियों में नीर- शरण में जो आता
वेग हरे- मम्बा- कष्ट हमारे तुम अम्बा

पारम्बा-----

हर भक्तों को हँस कर- तुमने तारा है
मम्बा बेटे का नाता कितना प्यारा है
नहीं भूलना मैया- मेरी तुम अम्बा

पारम्बा-----

बीच भँवर में नाव- फसी मम्बा पार करो
दौड़ो- दौड़ सिंगासन- मम्बा उद्धार करो
दास "श्री बाबा श्री" पुकारें- आजा मम्बा अम्बा

पारम्बा-----